

अर्थशास्त्र/ ECONOMICS

प्रश्न-पत्र I / Paper I

निर्धारित समय : तीन घंटे

Time Allowed : Three Hours

अधिकतम अंक : 250

Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हुए हैं।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।

आलेख/चित्र, जहाँ आवश्यक हो, प्रश्न के साथ ही उत्तर देने के लिए निर्दिष्ट जगह पर ही अंकन करना/दिना है।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो।

प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Graphs / illustrations, wherever required, may be drawn / given in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer (QCA) Booklet must be clearly struck off.

खण्ड A
SECTION A

Q1. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each :

10×5=50

- (a) दर्शाइए कि जब कीमतें और आय समान अनुपात में बढ़ती हैं, तो मार्शेलियन दृष्टिकोण में, किसी वस्तु की माँग की मात्रा में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

Show that when prices and income increase in the same proportion, there will be no change in quantity demanded for a commodity in Marshallian approach. *Shift both*

10

- (b) IS वक्र की ढलान की व्याख्या कीजिए। IS वक्र सामान्यतः ऋणात्मक ढलान वाला क्यों होता है ? Interpret the slope of the IS curve. Why is IS curve normally negatively sloped ?

10

- (c) प्रतिष्ठित द्विभाजन क्या है ? क्या यह मुद्रा की तटस्थता के समान है ? समझाइए। What is classical dichotomy ? Is it the same as neutrality of money ? Explain.

10

- (d) बाजार की विफलता के प्रमुख कारण क्या हैं ? इस संदर्भ में सरकार की भूमिका की व्याख्या कीजिए। What are the major reasons for market failure ? Explain the role of the government in this context.

10

- (e) फिशर के समीकरण में मुद्रा संचलन-वेग के निर्धारक क्या हैं ? यह कैम्ब्रिज दृष्टिकोण के मुद्रा संचलन-वेग से किस प्रकार भिन्न है ?

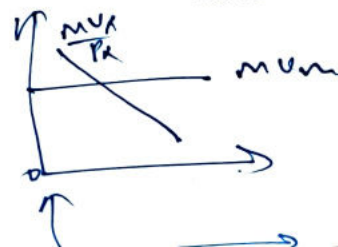
What are the determinants of velocity of money in Fisher's equation ? How does it differ from the Cambridge version of velocity of money ?

10

- Q2.** (a) आय और प्रतिस्थापन प्रभाव का उपयोग करते हुए दो-वस्तु ढाँचे (फ्रेमवर्क) में एक निम्न वस्तु के लिए मार्शेलियन माँग वक्र व्युत्पन्न कीजिए। क्या यह माँग वक्र हमेशा ऋणात्मक ढलान वाला होता है ? समझाइए।

Derive Marshallian demand curve for an inferior good in a two-commodity framework by using income and substitution effects. Is this demand curve always negatively sloped ? Explain.

15+5=20



- (b) उत्पाद विभेदन के साथ एक द्वैध (डुओपोली) बाज़ार में एक फर्म पर विचार कीजिए, जिसमें द्वैधवादी I को निम्न द्वारा दिए गए माँग फलन का सामना करना पड़ता है :

$$p_1 = 200 - 4q_1 - 2q_2$$

द्वैधवादी I का लागत फलन है :

$$c_1 = 5q_1^2$$

मान लीजिए कि द्वैधवादी II के पास पूरे बाज़ार का $\frac{1}{3}$ हिस्सा है।

द्वैधवादी (डुओपोलिस्ट) I के लिए इष्टतम मूल्य, उत्पादन और लाभ का पता लगाइए। द्वैधवादी II का उत्पादन (आउटपुट) भी पता लगाइए।

Consider a firm in a Duopoly market with product differentiation in which, Duopolist I faces a demand function given by :

$$p_1 = 200 - 4q_1 - 2q_2$$

The cost function of Duopolist I is :

$$c_1 = 5q_1^2 \Rightarrow$$

$$MC = 10q_1$$

$$p = MC \quad \left(\frac{a-b}{2c} \right)$$

$$14q_1 = 200 - 2q_2$$

$$7q_1 = 100 - q_2$$

Assume that Duopolist II has $\frac{1}{3}$ rd share of the whole market.

Find out optimal price, output and profit for Duopolist I. Also find out the output of Duopolist II.

15

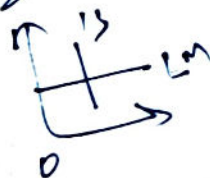
- (c) स्किटोव्स्की विरोधाभास क्या है ? इसे काल्डोर-हिक्स क्षतिपूर्ति परीक्षण के संदर्भ में समझाइए।

What is Scitovsky Paradox ? Explain it in the context of Kaldor-Hicks compensation test.

5+10=15

Q3.

- (a) तरलता जाल को परिभाषित कीजिए। दर्शाइए कि राजकोषीय नीति LM वक्र के क्षैतिज भाग में पूरी तरह से प्रभावी है जबकि मौद्रिक नीति ऊर्ध्वाधर भाग में पूरी तरह से प्रभावी है। आर्थिक कारण देते हुए अपने उत्तर को आलेख द्वारा समझाइए।



Define liquidity trap. Show that fiscal policy is fully effective in the horizontal part while the monetary policy is fully effective in the vertical part of the LM curve. Illustrate your answer graphically with economic reasons.

5+15=20

- (b) ऋणयोग्य निधि (लोनेबिल फंड) सिद्धांत, ब्याज के प्रतिष्ठित सिद्धांत से किस प्रकार श्रेष्ठ होता है ?

How does the loanable fund theory become superior to the classical theory of interest ?

15

(c) "प्रतिष्ठित पूर्ण रोजगार संतुलन की विफलता ने कीन्स के अल्परोजगार संतुलन के सिद्धांत का मार्ग प्रशस्त किया।" आलोचनात्मक विवेचना कीजिए।

“The failure of classical full employment equilibrium paved the way for Keynes’ theory of underemployment equilibrium.” Discuss critically.

15

~~Q4.~~

- (a) (i) राष्ट्रीय आय पर सार्वजनिक व्यय के प्रभावों की व्याख्या कीजिए, यदि इसे सरकारी उधार के माध्यम से वित्तपोषित किया जाता है।

- (ii) कुछ लोग क्यों मानते हैं कि सार्वजनिक व्यय की वृद्धि को सीमित करना महत्वपूर्ण है ? सुझाव दीजिए कि सार्वजनिक व्यय को कैसे नियंत्रित किया जा सकता है ।

- (i) Explain the effects of public spending on national income, if it is financed through government borrowings.

- (ii) Why do some believe that it is important to restrict the growth of public expenditure ? Suggest how public expenditure might be controlled.

$$10+(5+5)=20$$

- ~~(b)~~

- (i) मान लीजिए कि बाज़ार की माँग और आपूर्ति फलन इस प्रकार दिए गए हैं :

$$Q_d = -500P + \underline{5000}$$

एवं $Q_s = 400P - 400$

18% के विशिष्ट बिक्री कर के लागू होने से, संतुलन मूल्य एवं मात्रा पर पड़ने वाले प्रभावों का पता लगाइए।

- (ii) एकाधिकार बाज़ार में, माँग और लागत वक्र इस प्रकार दिए गए हैं :

$$p = 200 - 8q$$

एवं $c = 25 + 10q$

मान लीजिए कि सरकार ₹ 10 प्रति इकाई का कर लगाती है। संतुलन मूल्य एवं मात्रा पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा ?

- (i) Suppose that the market demand and supply functions are given by :

$$Q_d = -500P + 5000$$

and $Q_s = 400P - 400$

Find out the effects of imposition of specific sales tax of 18% on equilibrium price and quantity.

Indirect Tax

Ad-Valorem
Skewed

(ii) In a monopoly market, the demand and cost curves are given by :

$$p = 200 - 8q$$

$$\text{and } c = 25 + 10q$$

Suppose that the government imposes a tax of ₹ 10 per unit. How will equilibrium price and quantity be affected ?

8+7=15

(c) मुद्रा गुणक को परिभाषित कीजिए एवं इसके निर्धारकों की विवेचना कीजिए। मुद्रा गुणक के संदर्भ में समझाइए कि अर्थव्यवस्था की बैंकिंग व्यवस्था मुद्रा आपूर्ति को कैसे नियंत्रित कर सकती है।

✓ Define money multiplier and discuss its determinants. Explain in terms of money multiplier, how the banking system of an economy can control money supply.

15

$$\left(\frac{1}{c} \right)$$

Handwritten calculations for the monopoly problem:

$$p = 200 - 8q$$

$$c = 25 + 10q$$

With a tax of ₹ 10 per unit, the cost curve becomes:

$$c_t = 25 + 10q + 10q = 25 + 20q$$

Equilibrium occurs where Demand equals Marginal Cost:

$$200 - 8q = 25 + 20q$$

$$200 - 25 = 20q + 8q$$

$$175 = 28q$$

$$q = \frac{175}{28} = 6.25$$

Substituting $q = 6.25$ into the demand curve:

$$p = 200 - 8(6.25) = 200 - 50 = 150$$

Substituting $q = 6.25$ into the original cost curve:

$$c = 25 + 10(6.25) = 25 + 62.5 = 87.5$$

Therefore, the equilibrium price is ₹ 150 and the equilibrium quantity is 6.25 units.

खण्ड B

SECTION B

Q5. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each :

10×5=50

(a) प्रस्ताव वक्र को परिभाषित कीजिए और इसकी ढलान को समझाइए।

Define offer curve and explain its slope.

10

(b) J-वक्र प्रभाव क्या है ? इसे चित्र द्वारा समझाइए।

What is J-curve effect ? Explain it graphically. *Hyden's*

10

(c) हेक्स्चर-ओहलिन सिद्धांत बताइए। इस संदर्भ में लियोन्टीफ विरोधाभास की व्याख्या कीजिए।

State Heckscher-Ohlin theory. Explain the Leontief Paradox in this context.

10

(d) हैरोड के संवृद्धि मॉडल में चाकू-धार समस्या के निहितार्थों को लिखिए।

Write down the implications of knife-edge problem in Harrod's model of growth.

10

(e) यू.एन.डी.पी. द्वारा विकसित एच.डी.आई. की प्रमुख सीमाओं को लिखिए।

Write down the major limitations of HDI developed by the UNDP.

10

Q6. (a) आंशिक संतुलन ढाँचे में सीमा-शुल्क (टैरिफ) के मूल्य प्रभाव, संरक्षणात्मक प्रभाव, उपभोग प्रभाव, राजस्व प्रभाव एवं वितरण प्रभाव की व्याख्या कीजिए।

Explain the price effect, protective effect, consumption effect, revenue effect and distributive effect of tariff in partial equilibrium framework.

20

(b) व्यापार सृजन और व्यापार विचलन की अवधारणाओं को परिभाषित कीजिए। व्यापार समूह (ट्रेड ब्लॉक) से व्युत्पन्न लाभ के संदर्भ में उनकी भूमिका की व्याख्या कीजिए।

Define the concepts of trade creation and trade diversion. Explain their role in the context of gains from trade bloc.

5+10=15

(c) क्या आपको लगता है कि स्थिर विनिमय दर के अन्तर्गत पूर्ण पूँजी गतिशीलता, राजकोषीय और मौद्रिक नीतियों की प्रभावशीलता में सुधार करती है ? समझाइए।

Do you think that perfect capital mobility under fixed exchange rate improves the effectiveness of fiscal and monetary policies ? Explain.

15

- Q7. (a) अन्तर्गत संवृद्धि मॉडल के ढाँचे में आर्थिक विकास पर मानव पूँजी और अनुसंधान एवं विकास (R&D) व्यय की भूमिका का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

Analyse critically the role of human capital and Research and Development (R&D) expenditure on economic growth in the framework of endogenous growth model.

20

- (b) “बहुराष्ट्रीय कंपनियों की बढ़ती भूमिका ने विश्व व्यापार संगठन (WTO) के बाद की व्यवस्था में, विदेशी सहायता के महत्त्व को कम कर दिया है।” क्या आप इस कथन से सहमत हैं? स्पष्ट कीजिए।

“Increasing role of multinationals has reduced the significance of foreign aid during post-World Trade Organization (WTO) regime.” Do you agree with this statement? Explain.

15

- (c) हैरोड के मॉडल में प्राकृतिक वृद्धि की अवधारणा को परिभाषित कीजिए। प्राकृतिक वृद्धि से वास्तविक वृद्धि के विचलन के क्या निहितार्थ हैं?

Define the concept of natural growth in Harrod's model. What are the implications of deviation of actual growth from natural growth? 5+10=15

- Q8. (a) वर्तमान परिप्रेक्ष्य में विश्व व्यापार संगठन (WTO) की भूमिका की व्याख्या कीजिए। ट्रिम्स (TRIMs) और ट्रिप्स (TRIPs) के गुण और दोषों की विवेचना कीजिए।

Explain the role of World Trade Organization (WTO) in the present context. Discuss the merits and demerits of TRIMs and TRIPs. 10+10=20

- (b) क्या आप मानते हैं कि आर्थिक संवृद्धि एवं संपोषित विकास एक-दूसरे के विपरीत हैं? अपने उत्तर को न्यायसंगत ठहराइए।

Do you think that economic growth and sustainable development are contrary to each other? Justify your answer.

15

- (c) बाजार अर्थव्यवस्था के बढ़ते महत्त्व के संदर्भ में विकास प्रक्रिया में नियोजन की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

Explain the role of planning in the development process in the context of increasing significance of market economy.

15